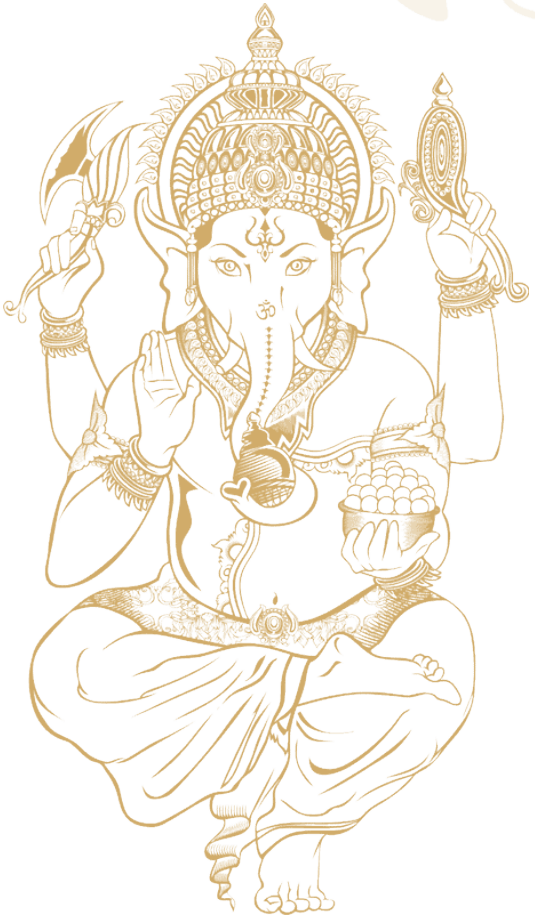

Khushi Kumari

28 Apr 2007

10:28 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121121311

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28/04/2007**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**10:28:00 घंटे**
इष्ट	12:55:55 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:38:00 घंटे
वेलान्तर	00:02:26 घंटे
साम्पातिक काल	01:01:10 घंटे
सूर्योदय	05:17:38 घंटे
सूर्यास्त	18:17:56 घंटे
दिनमान	13:00:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	13:35:09 मेष
लग्न के अंश	29:51:30 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्याघात
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेस्टी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	29:51:30	313:36:47	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			मेष	13:35:09	00:58:20	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	27:46:07	11:51:20	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	22:47:11	00:45:54	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध		अ	मेष	07:54:03	02:04:08	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		वृश्चि	25:03:44	00:04:00	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			वृष	24:40:21	01:08:19	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	स्वराशि
शनि			कर्क	24:15:28	00:00:54	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	21:04:38	00:00:52	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:04:38	00:00:52	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	23:29:59	00:02:29	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप			मक	27:52:36	00:00:52	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	04:48:55	00:00:49	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
दशम भाव			मीन	22:38:11	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:37

लग्न-चलित

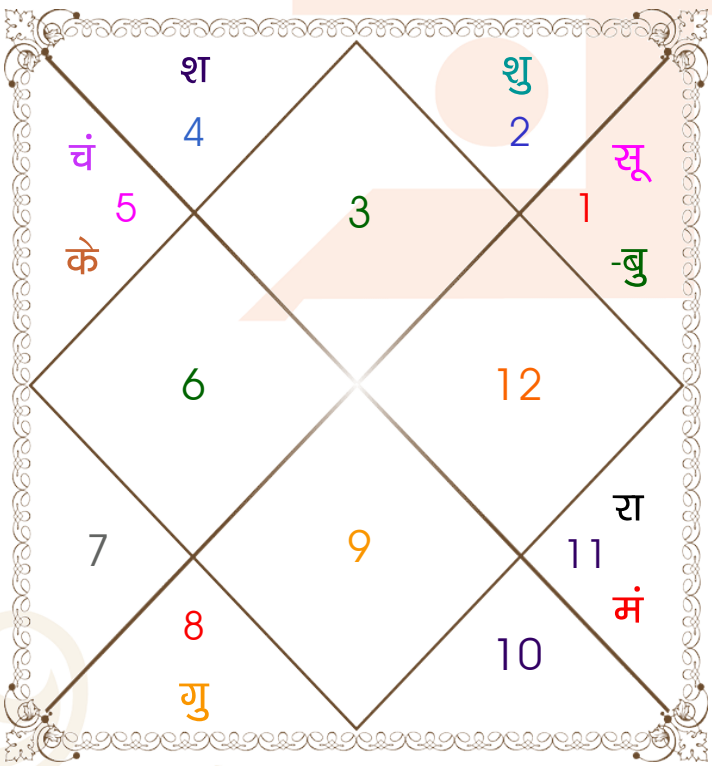

चन्द्र कुंडली

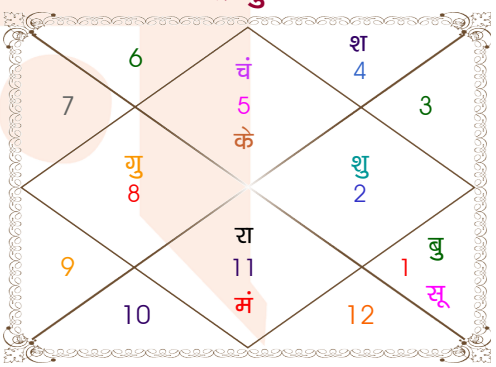

नवमांश कुंडली

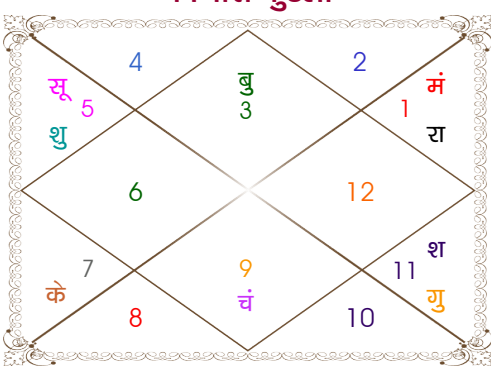

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 6 मास 1 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/04/2007		28/10/2012		29/10/2022		29/10/2029		29/10/2047	
28/10/2012		29/10/2022		29/10/2029		29/10/2047		29/10/2063	
	28/04/2007	चंद्र	29/08/2013	मंगल	27/03/2023	राहु	11/07/2032	गुरु	16/12/2049
चंद्र	17/08/2007	मंगल	30/03/2014	राहु	13/04/2024	गुरु	04/12/2034	शनि	29/06/2052
मंगल	23/12/2007	राहु	29/09/2015	गुरु	20/03/2025	शनि	10/10/2037	बुध	04/10/2054
राहु	16/11/2008	गुरु	28/01/2017	शनि	29/04/2026	बुध	29/04/2040	केतु	10/09/2055
गुरु	04/09/2009	शनि	29/08/2018	बुध	26/04/2027	केतु	17/05/2041	शुक्र	11/05/2058
शनि	17/08/2010	बुध	28/01/2020	केतु	23/09/2027	शुक्र	17/05/2044	सूर्य	28/02/2059
बुध	23/06/2011	केतु	28/08/2020	शुक्र	22/11/2028	सूर्य	11/04/2045	चंद्र	29/06/2060
केतु	29/10/2011	शुक्र	29/04/2022	सूर्य	29/03/2029	चंद्र	11/10/2046	मंगल	04/06/2061
शुक्र	28/10/2012	सूर्य	29/10/2022	चंद्र	29/10/2029	मंगल	29/10/2047	राहु	29/10/2063

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
29/10/2063		29/10/2082		29/10/2099		30/10/2106		30/10/2126	
29/10/2082		29/10/2099		30/10/2106		30/10/2126		00/00/0000	
शनि	01/11/2066	बुध	26/03/2085	केतु	27/03/2100	शुक्र	28/02/2110	सूर्य	16/02/2127
बुध	11/07/2069	केतु	24/03/2086	शुक्र	27/05/2101	सूर्य	01/03/2111	चंद्र	29/04/2127
केतु	20/08/2070	शुक्र	22/01/2089	सूर्य	02/10/2101	चंद्र	29/10/2112		00/00/0000
शुक्र	19/10/2073	सूर्य	28/11/2089	चंद्र	03/05/2102	मंगल	29/12/2113		00/00/0000
सूर्य	01/10/2074	चंद्र	29/04/2091	मंगल	29/09/2102	राहु	29/12/2116		00/00/0000
चंद्र	02/05/2076	मंगल	26/04/2092	राहु	18/10/2103	गुरु	30/08/2119		00/00/0000
मंगल	11/06/2077	राहु	13/11/2094	गुरु	23/09/2104	शनि	30/10/2122		00/00/0000
राहु	17/04/2080	गुरु	18/02/2097	शनि	02/11/2105	बुध	30/08/2125		00/00/0000
गुरु	29/10/2082	शनि	29/10/2099	बुध	30/10/2106	केतु	30/10/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 6 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली महिला हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगी। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकती हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली महिला होंगी।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाती है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाली नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करती। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करती हैं। आप कुशग्र बुद्धि की चालाक महिला हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगी।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगी। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकती हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगी वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगी।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकती हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि की प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकती हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबी, दुबली आकृति की, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध महिला हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित पुरुषों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगी।

आप ऐसा नही चाहेंगी कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपने पति एवं संतान को प्यार करती हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहती हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहती हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।